an>

Title: Need to complete the fencing work along Pakistan border in Gujarat.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात राज्य की उत्तर-पश्चिम सीमा में बनासकांठा, पाटन एवं कच्छ जिले से पाकिस्तान के साथ जुड़ी हुई 512.5 किलोमीटर लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पड़ती है। कच्छ के छोटे रण में गुजरती हुई सीमा में 921 से 1175 नंबर के बॉर्डर पिलर पड़ते हैं। एक व्यक्ति ऊंट पर सवार होकर 24 घंटे से कम समय में इस अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पार करके एक से दूसरे देश में आराम से पहुंच सकता है। इस घूसखोरी के कारण सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग गया है। पाकिस्तान के साथ संबंधों को ध्यान में रखते हुए देश की सलामती के लिए दोनों देशों के बीच सीमा पर कांटे वाली तार की फेंसिंग लगवाने का तय हुआ है। यह कार्य कई सालों से चल रहा है, लेकिन आज तक पूर्ण नहीं हुआ है और जिस हिस्से में पहले से फैंसिंग की गई है, वहां कई जगहों पर अच्छा काम न होने के कारण पानी के बहाव से वह टूट गई है। पाकिस्तान के घुसनखोरों को देश में घुसने पर प्रतिबंध लगाने के लिए सीमा पर फैंसिंग प्रक्रिया जल्द से जल्द पूर्ण करने की आवश्यकता है। क्योंकि मंजूर किए हुए 340 किलोमीटर में से सिर्फ 262.7 किलोमीटर का काम ही पूर्ण हुआ है। 27.9 किलोमीटर का काम प्रगति पर है और 512.5 किलोमीटर लम्बी जमीन की सरहद पर 49.4 किलोमीटर फैंसिंग का काम आज भी पूरा नहीं हुआ है। अभी हाल ही में कच्छ में आल इंडिया डी.जी. कांफ्रेंस हुई थी और हमारे आदरणीय गृह मंत्री जी का दीव में प्रवास था, उसमें भी यह मुद्दा उजागर हुआ था और इसकी जरूरत को सबने माना भी था।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इसको जल्द से जल्द पूरा किया जाए तथा बार्डर फैंसिंग के समान्तर रोड रास्ते बनाने तथा फ्लड लाइट लगाने की कार्रवाई जो लंबित है, फैंसिंग के साथ-साथ उसे भी पूर्ण करने की बड़ी आवश्यकता है तथा फ्लड लाइट्स के लिए आपति के समय में जनरेटर से लाइट चालू रह सके, इसके लिए भी बीओपी में जनरेटर सैट्स की पूर्ति मात्रा रखना भी आवश्यक है। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Gajendra Singh Shekhawat is permitted to associate with the issue raised by Shrimati Jayshreeben Patel.